सफलता की ओर बढते कदम

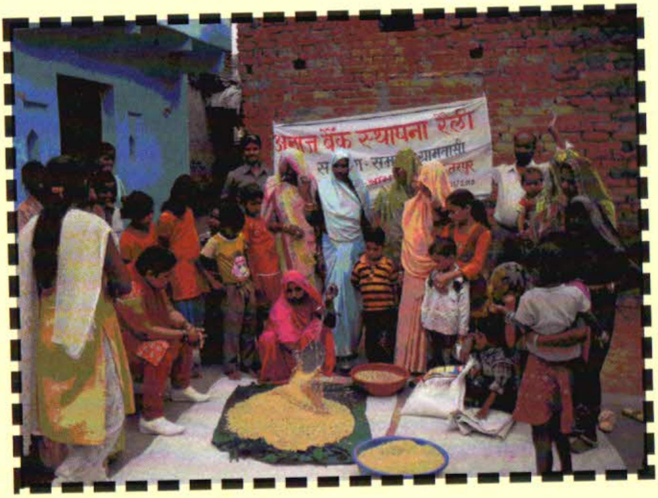

सहयोग कासा वर्ष 2012–13

आभार महिला समिति जवाहर रोड भुमानी चीप वालों के वगंल
मे छतरपुर जिला छतरपुर (म.प्र.) 471001
फोन –07682–242315,09424344088

E-mail -Pradeep_abhar@yahoo.co.in / abharmahila23@gmial.com

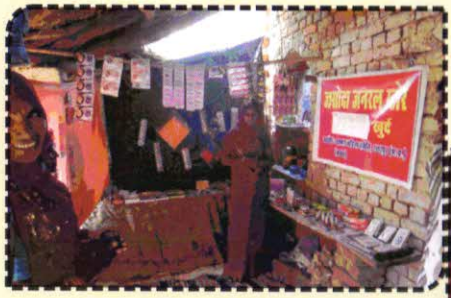

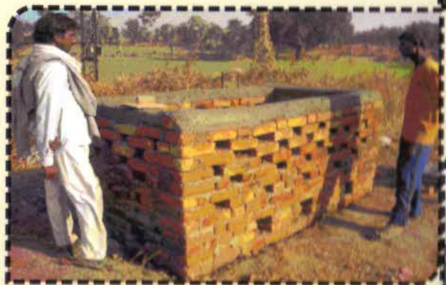

सफलता की ओर बढते कदम

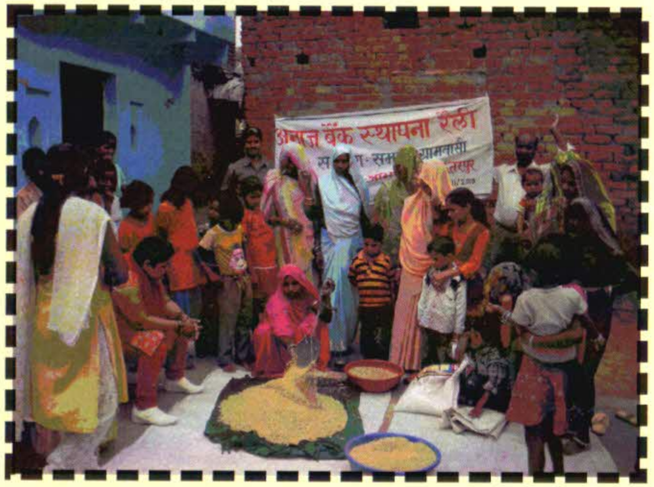

<u>सहयोग कासा वर्ष 2012–13</u>

आभार महिला समिति जवाहर रोड भुमानी चीप वालों के वगंल
मे छतरपुर जिला छतरपुर (म.प्र.) 471001
फोन –07682–242315,09424344088

E-mail *-Pradeep_abhar@yahoo.co.in / abharmahila23@gmial.com*

आभार एक नजर

आभार महिला समिति छतरपुर एक स्वयं सेवी संस्था है। जो जिले में विगत पिछले 15 वर्ष से समाज विकास व जनकल्याण के लिए प्रयास रत्र है। संस्था का उदय वर्ष 2003 में समाजिक कार्यकर्ता श्रीमति आशा देवी खरे ने ग्राम बिलेहरी जिला छतरपुर से की। उन्होने महिला हिंसा के विरुध/शिक्षा /स्वास्थ्य बाल अधिकार आजिविका/जैसे मुद्दो पर कार्य करना प्रारम्भ किया। आभार महिला समिति छतरपुर जिसका कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण भारत है।

संस्था का उद्धेश्य समाज के ऐसे वर्ग के लिए कार्य करना है जो आज समाज की मुख्य धारा से वचित है या जिन्हे शासन की जनकल्याण कारियोजनाओ का लाभ नही मिल रहा ऐसे वर्ग समुदाय को जागरुक व सगंठित कर कार्य करना ताकि वह आत्मनिर्भर होकर अपने अधिकारो की मांग स्वयं करने लग तथा समाज में आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके।

संस्था मुख्य रुप से कासा भोपाल के सहयोग से वर्ष 2009 से महिला सशक्तिकरण आजिविका जैसे मुद्दो को लेकर कार्य करना प्रारम्भ किया और आज ग्राम स्तर पर महिलाऐ स्वंय का रोजगार कर अपने व अपने परिवार का सहारा वन कर ग्राम विकास मे अहम भुमिका तय कर रही है।

कार्यक्रम के अनुसार समाज में व्याप्त लिगं भेद को कम करने को लेकर जेन्डर विषय पर कार्य किया जा रहा है वही ग्राम की वास्तविक स्थिति को जानने के साथ श्शासन की जन कल्याणकारी योजना की लोगो तक पहुच व अन्य स्थिति पर सर्वे कार्य तथा आजिवका जैसे विषय को लेकर कार्य किया जा रहा है।

जिसमें ग्राम स्तर पर समाज में व्याप्त लिगं भेद को कम करने का प्रयास किया जा रहा वही ग्राम स्तर पर लोगो को ग्राम में ही रोजगार उपलब्ध हो सके व लोगो को ग्राम ही रोजगार मिल सके ऐसा प्रयास संस्था द्वारा किया जा रहा है।

इस प्रकाशन का उद्धेश्य यह है कि संस्था द्वारा किये गये विकास कार्य के वारे में लोग जाने साथ ही इस कार्य में हमारे ग्रामीण समुदाय से के जुडे लोग जिसमें किसान भाई बहिन युवा साथी व सहयोगी सदस्य जब अपने वारे में लिखी गई वातो को जानेगे तथा उनके छायाचित्र लोगो देखेगे तथा जिला ब्लाक ग्राम स्तर पर इनकी चर्चा होगी तो उनको एक आत्म खुशी मिलगी साथ ही प्रशासनिक अधिकरी उनके वारे में जानेगे तो उनके साथ अन्य ग्रामीण लोगो को भी प्रोत्साहन मिलेगा शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ से उनका और अधिक जुडाव हो सकेगा। वह दुसरो के लिए एक प्रेरणा का स्त्रोत बन सकेगे।

माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन श्री शिवराज सिह चोहान द्वारा जिले में उत्क्कुट कार्य करने के लिए संस्था को वर्ष 2012–13 के लिए किया गया पुरुस्कृत ।

प्रभाति प्रदीप खरे
आभार महिला समिति छतरपुर

समान्य जानकारी आभार

1	Registration No.	SC/4094 dated 18th July 2003
2	Area of working	All India urban, rural, tribal and others With a focus on Madhya Pradesh
3	FCRA No	0631180014
4	Planning Commission NGO Portal Unique ID	No.MP/2009/0014319
5	PAN No.	AABTA6299E
6	TAN NO.	BPLA04984A
7	12 A.	05/15
8	80G	5/16
8	Name of the Bank	State Bank of India, ADB Branch CHHATARPUR (M.P.)
9	Address	Jawahar Road, Chhatarpur-471001 Madhya Pradesh (India)
10	E-mail	abharmahila23@gmail.com pradeep_abhar@yahoo.co.in
11	Contact	# 91-7682-242315, # 91-9424344088

खेतो का हुआ मेंड बंधान

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा आजिविका परियोजना के अर्न्तगत समुदाय विकास व जनकल्याण हेतू कई विकास कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें जैविक कृषी को बढावा देने के साथ खेती के लिए पर्याप्त पानी मिल सके व वर्षात होने पर खेती की मिट्री का कटाव न हो उसको ध्यान में रख कर ग्राम समुदाय व संस्था के सहयोग से एक से दो एकड भुमी धाकर वाले किसानो को चयन कर 63 एकड पर मेड बधांन कार्य कराया गया । जिसमें 26 परिवारो को जोडा गया। जो आज अपनी जमीन पर सफलता पुर्वक खेती कर रहे है।

नाडिप निर्माण /वर्मीकम्पोट

ग्रामीण समुदाय के लोग ज्यादा से ज्यादा जैविक खेती को अपनाये व देशी खादय का उपयोग कर सके इसको ध्यान में रख कर 8 ग्रामों में नाडिप निर्माण कराये गये।

ग्राम पिर्पारखुर्द

ताकि ग्राम के लोग इन मण्डल को देखे तथा इनको देख कर वह अपनी जमीन पर इस कार्य करे । इस तरह से 13 नाडिप निर्माण कराये गये जो कि सार्वजनिक भुमी पर वने है। जिसका उपयोग ग्राम वासी कर रहे है तथा उसका खादय उपयोग किया जा रहा है। नाडिप से कैसे खादय वनेगी तथा कितनी खादय एक एकड जमीन को चाहिये इसको लेकर लोगो को जागरुक तथा प्रशिक्षण दिया गया और लोगो ने इससे प्रभावित होकर अपनी जमीन पर नाडिप निर्माण कराने का निर्णय लिया और 65 परिवारो को कृषि विभाग से जोडा गया

पिर्पाराकला

ग्राम हिम्मतपुरा

किचिन गार्डन

आज जहा पर बुन्देलखणड में लोग खेती को छोड कर शहरो की ओर पलायन कर रहे है क्योकि लोगो का मानना है कि कृषि अव लाभ का धन्धा नही रहा वही लगातार पिछले पांच वर्षो से सुखा पड रहा है तो लोग गेहू चावल खा कर गुजारा करते है किसान कर्ज मे डूवा हुआ है। ऐसे में कासा के सहयोग से ग्राम स्तर आजिविका परियोजना पर कार्य किया जा रहा है । किचिन गार्डन के लिए ग्राम के ऐसे लोगो को चुना गया जिनके पास आय के साधन नही है पानी की कमी है परिवार में कोई बच्चा कुपोषित है। ऐसे परिवार को किचिन गार्डन के लिए चुना गया ताकि वह दो वक्त हरी सब्जी के साथ पोषण युक्त भोजन कर सके तथा कुछ आय भी प्राप्त हो सके।ग्राम अंतरार / बसाठा / कदवा / हिम्मतुपरा / पिपर्रोकला

बरद्वाहा / कुर्रा / बुदोर ऐसे ग्राम जहा पर 200 परिवारो को किचिन ग्रार्डन से जोडा गया । जिसमें आलू बीज 15 कि.लो. टमाटर. 20 गोभी 15 बेगन 18 मिर्च 22 प्याज. 25 अदरक. 15 मेथी. 13 पालक .30 आम. 05 पपीता 12 अमरुद 10 .परिवारो को जोडा गया। जिससे ग्रामीण लोगो को आजिविका प्राप्त हुई साथ ही परिवार को पोषण युक्त ताजी व हरी सब्जियां भी प्राप्त हो सके।

संस्था व उघनिकी विभाग के सहयोग भी 175 मिनी किट वितरण किये गये ग्राम की गोरी वाई दमरु / फूला देवी जमना बाई ने वताया कि इस कार्य से उनको प्रति दिन 10 से 20 रुपये की आय हुई है वही बच्चो को अव सुखा भोजन नही करना पडता । ग्राम के राजेन्द्र अहिवार ने वताया की उन्होने 15 कि.लो आलू लगाये थे जिससे उनको 65 कि. लो आलू प्राप्त हुआ जो उन्होने 15 रुपयें कि.लो की दर से बाजार में बेंच दिये जिसे मुझे काफी लाभ हुआ।

महिलाओ / युवाओ को मिला स्वरोजगार प्रशिक्षण–

संस्था द्वारा ग्रामीण जन समुदाय की महिलाओ को ध्यान में रख कर देखा गया की ग्राम की महिलाओ के पास दो से तीन माह ही खेती का काम रहता है वाकी समय पर वह घर पर ही रहती है और उनके पास कोई कार्य नही रहता है। इसको देखते हुये तय किया गया की ग्राम की महिलाओ को ग्राम मे ही रोजगार मिले व उस रोजगार से वह कुछ आमदनी कर सके ताकि उनके प्रति दिन 10 से 20 रुपयें की आय ताकि वह अपने परिवार को पोषण युक्त हरी व ताजी सब्जी / फल खाकर स्वथ्य रख सके। इसके लिए संस्था व कासा के सहयोग से ब्लाक छतरपुर के गांधी आश्रम छतरपुर में 105 ग्रामीण महिलाओ को अगरबत्ती ,मोमवत्ती ,लिफाफ निर्माण ,सिलाई कढाई का प्रशिक्षण दिया गया। वही दुसरी ओर ग्रामीण युवाओ को शासकीय व आशासकीय प्रशिक्षण स्थानों के सहयोग से डाटा इन्ट्री / मोबाईल रिपेयरिगं / मोटर साईकिल रिपेयरिगं जैसे प्रशिक्षण दिला कर बैक फाईनिस कराया गया जिसमे आज कई युवा , महिलाऐ अपना स्वय का कार्य कर अपने परिवार को सहयोग प्रदान कर रही है जिसमें बेकरी / शुल्प आहार / मोमवत्ती / सेलून दुकान कर स्वय का धन्धा कर रही है। महिला है ये मीरा चोरसिया ,रामसखी, दशरथ अहिवार ,चत्ती बाई ,मानबाई आदि।

ग्रामों में खोले गये अनाज / बीज बैक

बुन्देलखण्ड में अगर जिला छतरपुर की वात की जाये तो सबसे पिछडा जिला छतरपुर ही होगा क्योकि आज यहा पर लोगो के पास आजिविका का कोई सहारा है न ही कृषि की कोई आधूनिक तकनीक आज भी जो लोग खेती कर रहे है उनके पास भी खेती के लिए पर्याप्त संनसधान नही है किसान कर्ज में ढुवा हुआ है लोगो को समय पर खादख नही मिलता अनेक ऐसे परिवार है की उनको बीज नही मिलता जिनको मिलता है तो कम मात्रा मे मिलता क्योकि उनके पास पैसा नही है । जिस कारण किसान पुर्ण रुप से खेती नही कर पा रहा था। लोगो ने मागं की ग्राम स्तर पर बीज की व्यवस्था अगर हो जाये तो किसानो को वहुत लाभ होगा।

इसी को ध्यान में रख कर कार्यत्रेक्ष के 15 ग्रामों महिला सगंठन / समितियो का गठन किया गया जिसमें 235 महिला सदस्य है और इनको लेकर बीज बैक की स्थापना की गई । और तय किया गया की प्रत्येक महिला सदस्य सदस्यता के तोर पर 5 कि.ला. अनाज एकत्र करेगी इस तरह से एक अनाज बैक में 100 से 130 कि.लो. अनाज एकत्र किया गया।

उसके बाद ग्राम मे रेली निकाल कर लोगो से अनाज एकत्र किया गया और ग्रामीण लोगो ने भी अपना सहयोग दिया इस तरह से प्रत्येक ग्राम मे बीज/अनाज बैक की स्थापना की गई और आज 10 कुन्टल 88 कि.लो अनाज जमा किया जा चुका है। और ग्राम श्रीमति पाना आदिवासी, धर्मो आदिवासी ,राम सखी आदिवासी, सुनीता आदिवासी, पजनी आदिवासी जैसी तमाम महिलाये जुड कर इस कार्य को सफलता पूर्वक संचालित कर रही है।

जमीन हुई सींचित लोगो को मिला पानी–

कार्य क्षेत्र के कई ग्राम ऐसे थे जहा पर किसानो के लिए सिचाई के साधन है या हरिजन/आदिवासी वस्ती में पानी का शुद्ध पानी नही मिल रहा था। ऐसे ग्रामों

को चिन्हित किया गया और संस्था व ग्राम वासियो के सहयोग से ग्राम पनोठा /बसाठा /पिपर्रोकला कदवा ग्रामो में कुआ का गहरी करण कराया गया। तो कही पर कपिल धारा योजना के अर्न्तगत खोदे गये कुआ। दुसरी ओर शासन द्वारा लगाये गये हेड पम्प खराब होने से ग्रामीण जन को पीने का पानी नही मिल पा रहा था ऐसे हेडपम्पो की मरम्मत कराई गई । उधिमिकता विभाग के सहयोग से ऐसे किसान जिनके पास सिचाई के साधन नही थे उनको स्केलर पम्प/पाईप दिला कर कल्लू आदिवासी पिता श्री मुल्ला आदिवासी ग्राम गोची पंचायत इकारा आदिवासी जैसे अन्य कई किसानो की जमीन हुई सिचित। जिसमें राम कृपाल सेन, 4 एकड मोती राम साहू 3 एकड बब्बू खंगार 5 एकड कल्लू सेन 3 एकड जैसे अन्य कई लोगो को मिला योजना का लाभ।

खेती को मिला कीटाणुओ से छुटकारा–

बुन्देलखण्ड एक कृषि प्रधान प्रदेश है जहा की अधिकाश जनता कृषि पर निर्भर है आज भी लोगो के पास खेती के लिए पर्याप्त सनंसाधन नही है। लोग खेती तो कर रहे है पर कई वार खेती में ऐसे कीटाणु लग जाते है जिस कारण खडी फसल नष्ट हो जाती तो कभी समय पर पानी नही मिल पाता तो कभी पाला लग जाता है। जिस कारण आम किसान को बडा नुक्शान होता है। ऐसे म फसल को बचाने के लिए कीटाणु रहित दवा के साथ छिडकाव मशीन की आवश्यकता होती है संस्था द्वारा कृषि विभाग के सहयोग से ग्राम बरद्धाहा/कदवा/पिपर्रोकला/बसाठा के लोगो को मिली छिडकाव मशीन श्री सुरेन्द्र अहिवार चुटुका अहिवार तिजवा ओमकार अहिवार जैसे कई लोग है जिन्हे स्वेयर मशीन दी गई। और आज वह अपनी खेती मे इस मशीन का उपयोग तो कर ही रहे है साथ ही अन्य ग्रामीण लोगो को भी किराये से देते है। जिससे उनको 500 से 1000 रुपयें का मुनाफा हों रहा है।

अब बे खबर नही है लोग मेरे गावॅ के

बुन्देलखण्ड की वात करे तो छतरपुर काफी पिछडा हुआ इलाका है जहा पर शामंत शाही का बोल बाला है जहा पर गरीब को बोलने का अधिकार नही है गरीब जाति समुदाय के लोगो को किसी वात की जानकारी नही है पंचायत में ग्राम सभा का आयोजन कभी होता नही है पात्र लोगो को योजना की जानकारी नही है लोगो मे जागरुकता का अभाव है। ऐसे में समाज के गरीब व पिछडा वर्ग समुदाय जाति के जो लोग है उनको किसी भी योजना की जानकारी नही है न ही के ग्राम के पात्र लोगो को शासन की जन कल्याण कारी योजनओ की न जानकारी है न ही उनको उन योजनाओ का लाभ मिल पा रहा है। मनरेगा जैसी योजना में लोगो कैसे काम मिलता है उसके वारे नही जानते नही कैसे आवेदन किया जाता इसकी जानकारी है। संस्था व कासा के सहयोग से ग्राम बरद्धाहा में सार्वजनिक सुचना केन्द्र खोला गया जिसमें ग्रामीण जन को 24 घन्टे शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ कैसे मिल सकता है किस तरह से योजनओ से जुडा जा सकता है की जानकारी लोगो निरन्तर दी जा रही है तथा आवेदन उपलब्ध कराये जा रहे है। दुसरी ओर युवा वर्ग के लिए रोजगार मुखी योजनाओ की जानकारी व शासकीय आशासकीय विभाग के वारे में जानकारी दी जा रही है। जिसे सैकडो लोगो इस सुचना केन्द्र से अभी तक जुड चुके है। इस केन्द्र के माध्यम से 91 विधवा महिलाओ को पेंशन 120 विंकलाग 59 परिवारो को परिवार सहायता योजना से अभी तक जा चुका है।

महिला सरपंच पंच मे जागी नेतृत्व की भावना।

आज शासन द्वारा महिलाओ 50 प्रतिशत आरक्षण तो मिल गया पर हम आपने कभी देखा है सोचा है की आरक्षण से महिला को अपने अधिकार मिले है वह 50 साल पहले भी पुरुष के हाथ कटपुतली थी और आज भी उसे पुरुष ही चला रहा है वात चाहे घर की हो या पंचायती राज व्यवस्था की महिलओ की स्थिति एक रबर स्टाम के अलावा कुछ नही है

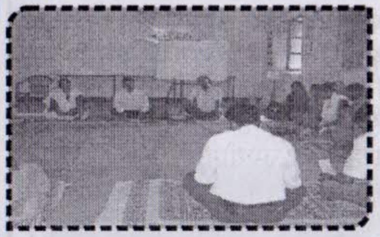

इस व्यवस्था मे यही हाल है महिला जन प्रतिनिधियो का चाहे पद कोई भी हो चला रहा है उसे कोई पुरुष ही है चाहे वह पति हो भाई हो पिता हो तो कैसा आरक्षण कैसी आजादी जहा अपनी इच्छा से महिला हस्ताक्षर नही कर सकती कार्यालय नही जा सकती ।

ऐसी ही सोच को बदलने का प्रयास किया कासा व संस्था आभार महिला समिति ने की अपने जिले व ब्लाक की 63 महिला जन प्रतिनिधियो को समय–समय पर बेतूल प्रशिक्षण संस्थान में महिला नेतृत्व की भावना पंचायजी राज व्यवस्था क्या कैसे तथा अधिनिय 1973 क्या है ग्राम सभा की आवश्यकता व शासन की जन कल्याण कारियोजनओ के वारे में प्रशिक्षत किया गया जहा उन्होने अपने अधिकारो को जाना व पंचायत मे उनकी भागेदारी पर जोर दिया गया ।

स्वास्थ्य शिविर

आज मध्यप्रदेश में अगर छतरपुर की वात की जाये तो देखने में आता है की जिले मे स्वास्थ्य सुविधाओ का बुरा हाल है चाहे जिले की वात हो या ब्लाक की कही पर स्टाफ नही है। तो कही पर दवा जिले में आठ ब्लाक है पर उनमें से दो ब्लाक ही ऐसे है जहा पर पर महिला डा. है ग्राम स्तर पर देखे तो नर्स नही मिलती वह अपने मुख्याल पर रहती नही है। जिस कारण ग्राम स्तर पर दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओ से वंचित है ग्रामीण वही 0 से 05 साल के बच्चो का नियमित टीकाकरण नही हो पा रहा महिलाओ की नियमित स्वास्थ्य परिक्षण नही किया जाता किशोरी बालिकाओ को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओ की जानकारी नही है आगंनवाडी नियमित नही खुल रही या उनको वहा पर कोई जानकारी दी जा रही है। आज ग्राामीण महिलाओ के स्वास्थ्य की वात की जाये तो महिलओ मे रक्त अल्पता की कमी लिकोरिया व अन्य कई बीमारी की शशिकार है महिलाऐ अगर हम बच्चो की वात करे तो कुपोषण जैसी बीमारी बडे पैमाने पर पैर पसारे हुये है जिले में । ऐसी स्थिति में कई वार प्राथमिक उपचार न मिल पाने के कारण आम आदमी मोत का शिकार हो जाता है। जो कही न ही यह दर्शाता है की किस हद तक स्वास्थ्य सुविधाओ का अभाव है

जिले मे। यहा लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार नही है लोगो में जागरुकता का अभाव है। ऐसे में आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा वर्ष 2009 से नियमित शासकीय सहयोग से ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य शिविरो का आयोजन किया जा रहा है तथा जिसमें ग्राम के बच्चो/महिलओ/बुर्जको की नियमित जांच कर उपचार किया जा रहा है तथा निशुक्ल दवा वितरण हो रही है । इस कार्य में ब्लाक ईसानगर क डा. जी0 पी0 साहू बी. एम.ओ. डा. यादव सहित स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ का पुर्ण सहयोग मिल रहा है जिससे गरीब व असाह वर्ग को समय पर उपचार व दवा मिल पा रही है। जिससे 15 ग्रामों के सेकडो लोग लाभ उठा रहे है।

जनसुनवाई

आज शासन की तमाम जन कल्याणकारी योजनाओ संचालन किया जा रहा है पर आज भी ग्राम की महिला या आम जरुरत मंद नागरिक को योजनओ का लाभ नही मिल रहा । कार्य के दोरान देखने में आय की इन ग्रामों में आज भी ग्राम के पात्र वृद्ध /विधवा/ निराश्रित/विकंलाग लोगो न पेंशन मिल रही है न ही उनको किसी अन्य योजना का लाभ मनरेगा की स्थिति देखते है तो जरुरत मंद लोगो के पास काम नही

नियमित समय पर मजदुरी नही मिल रही।। संस्था से जुडे लोगो ने ग्रामीण जन की समस्या को जाना और प्रयास किया की आम नागरिक को शासकीय योजनओ का लाभ मिले ताकि ग्रामों से दिन प्रति दिन हो रहे पलायन को कम किया जा सके। और लोगो को ग्राम में ही काम मिले ऐसा प्रयास किया गया । जिसमें ग्रामीण लोगो को जागरुक व संगठित करते हुये उनके अधिकारो के वारे में प्रशिक्षत किया गया ताकि वह अपने अधिकारो की मांग स्वंय कर सके तथा शासकीय योजनाओ में पात्र लोगो को जोडा ऐसा प्रयास शासन द्वारा किया जाये। इसकी के फल स्वरुप ग्रामीण महिलओ ने अपने अधिकारो की मागं कर अपनी आवाज उठाई और जिला ब्लाक स्तर पर जिला कलेक्टर एस.डी.एम. के समक्ष अपनी मांगो को रखा जिसके बाद ग्रामीण स्तर पर पात्र लोगो को भिन्न योजनाओ से जोडा गया । तथा शासकीय योजनओ के संचालन में सुधार हुआ।

बोरी बधांन कार्य

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा देखा गया की पिछले कुछ वर्षो से जिले में लगातार सूखा पडने के कारण ग्राम बुदोर के वासियो को एक एक बुद के लिए जहा सघर्ष करते देखा गया तो वही जानवरो को पीने के लिए नही था पानी । जिस कारण लोग अपने जानवरो को भी खुला छोड दिया और लोगो का ध्यान पशु पालन से हटने लगा । जिससे ग्राम मे प्रयास किया गया लोगो को जागरुक व संगठित करने का एक छोटा सा प्रयास किया गया। और तय किया गया की क्यो न ग्राम से निकले नाले के पानी को एक जगह

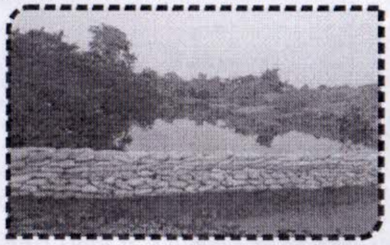

एकत्र किया जाये जिसे ग्राम के लोगो को फायदा हो साथ ही पशुओ को पीने का पानी उपलब्ध हो सके। ग्राम मे गठित समूहो एवं प्रस्फुटन समितियो के कार्यकर्ताओ ने मिल कर इस कार्य को किया जिससे जिससे ग्राम को एक नई पहचान दी और ग्राम विकास मे एक अहम योगदान दिया।

जागरुकता कार्यक्रम

आभार महिला समिति छतरपुर द्धारा ग्रामों में जन जागरुकता कार्यक्रम के अर्न्तगत ग्रामो जागरुकता बैठको का आयोजन किया गया जिसमें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओ के वारे में जानकारी दी गई। साथ ही समुदाय को स्वास्थ्य शिक्षा पर्यावरण परिवार नियोजन कार्यक्रम सामाजिक सुरक्षा योजनाओ के वारे में विस्तार से वताया गया वही सूचना का अधिकार वन अधिनियम भोजन का अधिकार अभियान जैसे कार्यक्रम संगठन के वारे भी जानकारी दी गई। इन बैठको माध्यम से

ये सदेश देने का प्रयास किया गया कि अगर हम जागरुक है हमें जानकारी सही है तो हमारा अधिकार कोई नही छीन सकता आवश्यकता है । आज आपको आगे आने की। सगंठन रुप में कार्य करने की।

वॉस मेला

वाटर सेन्टरीये कार्यक्रम के अर्न्तगत वॉस मेला का आयोजन किया गया जिसका उद्धेश्य ग्राम शहर के हर घर में शोचालय हो तथा सभी को स्वच्छय पीने के लिये जल मिले इस वात को ध्यान में रख कर इस मेले का आयोजन किया गया जिसमें स्कुलो के 300 बच्चो ने सहभागिता की और इस कार्यक्रम का लाभ उठाया कार्यक्रम के दौरान चित्र कला / पेंटिग / गीत संगीत प्रतियोगिता / प्रकृित भ्रमण जैसे कार्यक्रम के माध्यम से हर घर को यह सदेंश देने का प्रयास किया गया की अगर स्वच्छय जल व घर में शोचालय नही होगा तो न हम स्वस्थ्य रहेगे न हमारे बच्चे साथ ही पर्यावरण भी दूषित होगा।

जिसका नुक्शान हम आपको ही उठाना पडेगा इसलिये आज आवश्यकता है की हर घर में शोचालय हो सभी को पीने के लिए स्वच्छय जल मिले ऐसा प्रयास हमे करना होगा । इस अवसर नगर पंचायत अध्यक्ष के अलावा सी.एस.ओ. नगर नगरपालिका प्राचार्य कालेज के कार्यक्रम अधिकारी नगरपालिका मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

ग्रामीण जन ने जाना सूचना का अधिकार

ग्रामीण जन के लोगो जाने सुचना का अधिकार उसको लेकर ग्राम स्तर पर बैठाकों का आयोजन किया गया और ग्रामीण जन के माध्यम से ग्राम की प्रमुख्य समस्या क्या है और ग्राम विकास के लिए पंचायत श्द्धारा क्या किया जा रहा है या अन्य योजनओ की क्या स्थिति है जैसे विषयो को लेकर कार्य किया गया और लोगो को सुचना के अधिकार

के वारे में बताया गया की इस के तहत किस किस तरह की जानकारी ली जा सकती है और किस तरह का आवेदन होता है। कैसे इसको जमा कर सकते है। जानकारी देकर सुचना के आवेदन लगवाये गये।

ग्राम के लोग हुये आत्मनिर्भर

आजिविका परियोजना आभार सहयोग के सहयाग से ग्राम के ऐसे परिवार जिनके पास खाने को नही है या महिला वृद्ध है विधवा है जिनका कोई सहारा नही है ऐसे परिवारो का चयन करे के ग्रामीण महिला / पुरुष / युवाओ को अजिविका जोडा गया जिसमें साईकिल की दुकान शुल्पआहार /

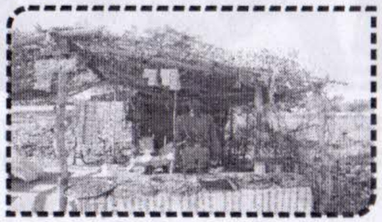

सेलून / मनहारी की दुकान से लोग आय कर के अपने परिवार का भर पोषण कर रहे है और प्रति दिन 100 से 200 रुपयें की आय करके अपना जीवन यापन कर के खुशहाल जिन्दगी दें रहे है।

महिलाओ ने क्षेणी अपने अधिकारो की लडाई–

ग्रामीण महिलाओ ने छेडी अपने अधिकारो की लडाई संस्था द्वारा किये जा रहे कार्य के दोरना देखा गया की ग्राम के ऐसे सैकडो परिवार है जिनके पास राशन कार्ड नही पात्र महिलाओ को आज पेंशन नही मिल रही नरेगा मे काम नही मिल रहा समय पर मजदुरी नही है बच्चो को पोषण आहर नही मिल रहा जिनको मिल रहा उसकी क्वालीटी ठीक नही है आगंनवाडी खुलती नही है ग्राम मे स्वास्थ्य सुविधाऐ नही है

लोग आये दिन पलायल कर रहे पर प्रशासन मोन है। इन्ही समस्याओ को संस्था द्वारा सगंहित कर अपने अधिकारो अपने हाथ के तहत लोगो ने छतरपुर आग कर प्रशासन को ज्ञापन दिया और शान्ति प्रदर्शन करते हुये रेली आयोजित की।

समुदाय बैठक

संस्था द्वारा समय समय पर ग्राम स्तर पर ग्राम समुदाय जागरुकता बैठको का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम की प्रमुख समस्या क्या है तथा संस्था द्वारा आगे कैसे कार्य किया जाये लोगो की मांग क्या है ग्राम पंचांयत द्वारा किये जा रहे कार्य मे लोगो की सघन भागेदारी तथा ग्राम विकास के मुद्ददों को ग्राम सभा की वार्षिक कार्य योजना मे शामिल कराना तथा ग्राम वासियो के सहयोग से ग्राम का माईको प्लान तैयार करना जैसे विषयो को शामिल कर ग्राम समुदाय बैठको का आयोजन किया गया।

घूम धाम से मनाया महिलाओ ने अन्र्तराष्टिय महिला दिवस

महिलाओ को उनका हक दिलाने के प्रयास से और ग्रामीण महिलाऐ यह जान सके की अन्र्तराष्ट्रीय महिला दिवस क्या है

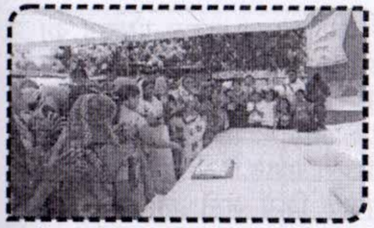

उसको प्रति वर्ष क्यो मनाया जाता है इसके पीछे वहज क्या है संस्था द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 15 ग्रामो की 270 महिलाओ ने सहभागिता की और संस्था प्रभाति खरे द्वारा इसके वारे मे विस्तार से वताया गया साथ ही ग्रामीण महिलाओ के साथ कुर्सी तोड गीत संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और जिन्हो अपने जीवन मे संघर्ष किया ऐसी महिलओ को पुरुस्कार दिया गया। साथ ही ग्रामीण महिलाओ द्वारा इस खुशी के अवसर पर 5 कि0लो का कक काटा गया और अध्यक्ष द्वारा सभी महिला साथियो को वितरण कर इस खुशी का ईजहार किया गया।

खाद्य सुरक्षा अभियान

गरीबो को उनका पुरा अधिकार मिल तथा शशासन की खादय सुरक्षा योजना का पुरा लाभ मिले इसके लिए ग्राम स्तर पर जागरुकता खादृय सुरक्षा अभियान चलाया गया जिसमें सोसायटी द्वारा गरीबो को दिये जाने वाली खादृय सामग्री को समय पर मिले तथा पुरा राशन मिले इसके लिए लोगो को जागरूक किये जाने का प्रयास किया गया तथा खादृय सुरक्षा पर वनाये गये कानून के वारे मे वताया गया साथ ही जिसमें 459 ग्रामीण जन ने सहभागिता कर अपने अधिकारो को जाना व समझा । साथ ही उनकी मागो को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और प्रशासन को उन मांगो को सोपा गया।

संस्थागत उपल्बधिया

ग्राम स्तर पर गठित समुह

क्र.	गतिविधया	गठित संख्या	कुल लाभाविन्त परिवार
1	महिला मण्डल	25	259
2	किसान मण्डल	18	281
3	युवा समूह	15	207
4	किशोरी समूह	15	225
5	सरपंच संगठन	01	45
6	मेंट संगठन	01	45
7	अनाज बैक	15	110
8	बीज बैक	15	110
9	नरेगा ग्रुप	10	165

कृषि

क्र.	गतिविधया	गठित संख्या	कुल लाभाविन्त परिवार
	जमीन सीचित एकड	63 एकड	35
	किचिन गार्डन	135	200
	मसाला विस्तार योजना	385	385
	सिचाई पम्प दिलाये गये	04	04
	डीजल पम्प	02	02
	दवाई छिडकाव मशीन	12	12
	नाडेप निर्माण कराये	09 ग्राम	09

	वर्मी कम्पोट निर्माण	04 ग्राम	04

समाजिक सुरक्षा योजना

क्र.	गतिविधया	समान्य	एस. सी.	एसटी.	ओबीसी	लाभाविन्त
	वृद्धा पेशन	09	22	36	24	91
	विधवा पेशन	17	21	39	43	120
	विकलांग पेंशन	04	11	20	24	59
	परिवार सहायता	02	08	09	07	26

जल समस्या हल

क्र.	गतिविधया	संख्या	लाभाविन्त
	हेडपम्प सुधार	06	75
	कुआ गहरी करण	02	145
	सोखता पिट	04	—
	ग्राम साफ सफाई	15	सम्पूर्ण ग्राम

मनरेगा

क्र.	गतिविधया	समान्य	एस. सी.	एसटी.	ओबीसी	लाभाविन्त
	काम मिला	47	148	232	209	636
	जॉब कार्ड वनवाये	08	22	31	11	72
	मजदुरी दिलाई	33	55	35	42	165
	श्रम कार्ड वनवाये	03	07	05	07	22

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.	गतिविधया	समान्य	एस. सी.	एसटी.	ओबीसी	लाभाविन्त
	कम्प्युटर प्रशिक्षण	47	148	232	209	636
	डेरी प्रशिक्षण	08	22	31	11	72
	मोबाईल रिपेयंरिग प्रशिक्षण	33	55	35	42	165
	अन्य स्वरोजगार प्रशिक्षण	03	07	05	07	22

ग्राम स्तर पर खोली दुकान

क्र.	गतिविधया	समान्य	एस. सी.	एसटी.	ओब्रीसी	लाभाविन्त
	साईकिल दुकान	03	01	2	0	03
	मनहारी कुदान	02	01	01	0	02
	किराना दुकान	01	0	0	01	01
	सेलून दुकान	01	01	0	0	01
	खिलोना गिफ्ट	03	01	01	01	03

वन भूमि का मिला मुआवाज

क्र.	गतिविधया	समान्य	एस. सी.	एसटी.	ओब्रीसी	लाभाविन्त
	मुआवाज	172				172
नगद सहायता राशि 60/–रुपयें कृषि विभाग के सहयोग से						
सुचना केन्द्र संचालन **04 ग्राम में**						
किसान फेडरेशन –**कुल सदस्य 326 कुल बचत 89730/–**						

हमारा प्रयास – आभार

आभार महिला समिति एक स्वयं सेवी संस्था है। जिसका उद्धेश्य ऐसे वर्ग समुदाय के लिए कार्य करना है। जो आज अपने मुल्य अधिकारो से वंचित है। या जिन्हे शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ नही मिल पा रहा ऐसे वर्ग समुदाय को जागरुक व सगंठित कर उनके विकास के लिए कार्य करना जिससे समाज के लोग संगठित होकर आत्मसम्मान व आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन यापन कर सके।

ऐसा ही प्रयास आभार महिला समिति छतरपुर ने महिला सशक्तिकरण व आजिविका परियोजना कासा भोपाल के सहयोग से किया जिसे आज ग्रामीण समुदाय के लोग ग्राम मे ही रह कर अपना स्वयं का रोजगार कर रहे है और आत्म सम्मान के साथ अपना जीवन प्रयास कर रहे।

झलक कुछ खास

किशोरी स्वास्थ्य बैठक
सहयोग - कासा भोपाल
स्थान

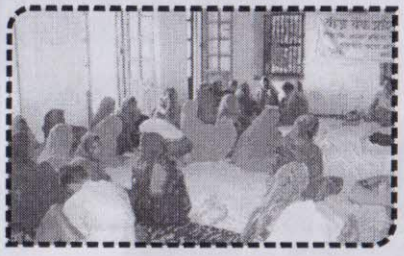

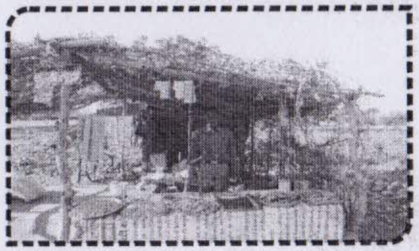

गठित मण्डल समूह बैठक